शनिवार
18 अक्टूबर 2025

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 254
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कैश, कार्ड और खुशियाँ- सब निकले बाहर!

धनतेरस पर टूटी खरीदारी की झड़ी!

संवाददाता

देहरादून। धनतेरस पर आज बाजारों में लोगों की भीड लगी रही। खासकर बर्तनों की दुकानों पर ग्राहकों की लाईन लगी रही और लोगों ने जमकर खरीदारी की। वहीं इस दौरान शहर मे लोगों को जाम की समस्या से भी जूझना पड़ा।

आज यहां सुबह से ही धनतेरस के अवसर पर शहर के समस्त बाजारों में लोगों की भीड लग गयी थी। खासकर बर्तन की दुकानों पर लोग खरीदारी करते हुए दिखायी दिये। आज के दिन लोग बर्तन व झाड़ू आवश्यक खरीदते हैं। जिसके चलते झाड़ू की दुकानों पर ग्राहकों का तांता लगा रहा। लोगों ने सुबह पहले घरों में साफ सफाई करने पश्चात बाजार का रूख किया। बाजार में भीड के कारण कई स्थानों पर जाम लगा रहा जिसके चलते पुलिस प्रशासन को भी काफी मशक्कत का सामना करना पडा। सुबह से ही लोगों की भीड बर्तनों की दुकानों पर लग गयी थी।

राजधानी देहरादून के प्रमुख पल्टन बाजार में आज सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी। जिससे व्यापारियों के चेहरो पर रौनक दिखाई दी। दोपहर होते-होते पल्टन बाजार मे पांव रखने की भी जगह लोगों को नहीं मिल रही थी। इस दौरान लोगों ने बर्तनों व जेवरातों सहित कई सामान खरीदे। हालांकि इस दौरान शहर के प्रमुख घंटाघर चौराहे सहित अन्य चौराहो पर भी जाम की स्थिति बनी रही। जिस कारण पुलिस प्रशासन को जाम खुलवाने के लिए कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा।

दून वैली मेल

संपादकीय

बढ़ते महिला अपराधों पर सोता सिस्टम

तमाम सख्त कानून, सामाजिक जागरूकता और प्रशासनिक सर्तकता के बावजूद देश में महिला अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे है। बात अगर उत्तराखण्ड की करें तो यहां भी महिला अपराधों के मामले में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। ताजा मामला आज हरिद्वार जिले के श्यामपुर क्षेत्र में सामने आया है। जहां हाईवे किनारे एक महिला का जला हुआ शव बरामद हुआ है। ऐसे मामले देखकर क्या हम इस समाज को जिसमें हम रह रहे है उसे एक जिंदा व संजीदा समाज कह सकते है? वास्तव में यह एक मृत समाज नहीं है तो और क्या है? इस महिला को जिसने भी इस हाल में देखा वह सोच में पड़ गया कि क्या समाज में ऐसे लोगो की संख्या बढ़ गयी है जो कानून का इस तरह से मजाक बना रहे है। ऐसा नहीं है कि देश व राज्य में इस तरह की हैवानियत या दंरिदगी की यह कोई पहली घटना है। साल देश के किसी न किसी राज्य से इस तरह की अनेक घटनाए घटित होती है। अभी कुछ वर्ष पूर्व राज्य में घटित हुए अंकिता भण्डारी हत्याकांड ने पूरे देश में सनसनी फैला दी थी। अभी बीते वर्षो में मणिपुर में हुई सांप्रदायिक हिंसा के दौरान देशवासियों ने महिलाओं पर किये गये अत्याचारों की कुछ ऐसी तस्वीरे देखी थी जिन्हे लेकर देश ही नहीं दुनिया भर में चर्चा हुई थी। लेकिन न तो देश की सरकार को और न समाज को इससे शर्मशार होते हुए देखा गया। हां इन घटनाओं पर राजनीति होते हुए जरूर देखी गयी। दिल्ली के निर्भया कांड से लेकर निठारी कांड तक न जाने कितनी अनगिनत घटनाएं है जिनके बारे में सोच कर किसी का भी दिल फट जाये। लेकिन इस तरह की घटनाओं का सिलसिला देश भर में अविराम जारी है। महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा के लिए तमाम कानून बनाने वाले और उन्हे पूरी सुरक्षा मुहैया कराने का दावा करने वाले महिलाओं और बच्चियों की कितनी सुरक्षा कर पा रहे है देश में घटित अनेक घटनाए इसका एक साक्षात प्रमाण है और इसके लिए हमारा मृत समाज और सड़ा गला सिस्टम ही जिम्मेदार है।

जर्मनी की प्रसिद्ध कार निर्माता कंपनी मर्सिडीज बेंज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गोल्फ लीग में 60 विभिन्न देशों के 60.000 गोल्फरों ने अपने अपने देशो में भाग लिया। जिनमें से 60 देश के 180 खिलाड़ी अपना व्यक्तिगत राष्ट्रीय फाइनल जीत जर्मनी के ब्लैक फॉरेस्ट स्थित ओशबर्गहोफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में आयोजित विश्व फाइनल में पहुँचे जिसमें हरिद्वार उत्तराखंड के प्रसिद्ध दवा निर्माता के निदेशक शिव अग्रवाल ने पुणे में राष्ट्रीय फाइनल जीतने के बाद, भारत का प्रतिनिधित्व किया। शिव अग्रवाल को टीम इंडिया को विश्व फाइनल में 60 देशों के फाइनलिस्ट को हराकर ऐतिहासिक जीत हासिल करने पर हार्दिक बधाई। यह पिछले 24 वर्षों में भारत के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है और गोल्फ में भारत के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है।

महिलाओं द्वारा बनाए आकर्षक दीपावली गिफ्ट हैंपर से स्थानीय बाजार हुए गुलजार

संवाददाता

देहरादून। रानीपोखरी की स्वाभिमान क्लस्टर लेवल फेडरेशन की महिलाओं द्वारा आकर्षक दीपावली गिफ्ट हैंपर से स्थानीय बाजार गुलजार हो गये।

आज यहां विकासखंड डोईवाला में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह की महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के वोकल फॉर लोकल मुहिम को तेजी से आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के अंतर्गत डोईवाला ब्लॉक रानीपोखरी की स्वाभिमान क्लस्टर लेवल फेडरेशन की महिलाओं ने आगामी दीपावली के त्यौहार पर अपने हुनर और परिश्रम से सुंदर एवं आकर्षक गिफ्ट हैंपर तैयार कर बाजार, सरकारी व निजी संस्थानों में उचित मूल्य पर बेच रही है। साथ ही प्राइवेट कंपनियों द्वारा बनाए जा रहे गिफ्ट हैंपरों को भी स्थानीय बाजारों व संस्थाओं में टक्कर दे रही है। ग्रामीण महिलाओं के समूह द्वारा बनाई जा रही गिफ्ट हैंपरों में पहाड़ी व जैविक उत्पादों को खरीदने के साथ उपयोग करने का भी मौका दे रही है। महिलाओं को इन गिफ्ट हैंपरों के लिए स्थानीय ग्राहकों, बाजारों के साथ-साथ सरकारी विभागों से भी ऑर्डर प्राप्त हुए हैं, जिससे

उन्हें अपने उत्पादों को व्यापक स्तर पर बेचने का अवसर मिल रहा है। वोकल फॉर लोकल की मुहिम और पहाड़ी उत्पादों को घर-घर पहुंचने की दिशा में डोईवाला ब्लॉक की स्वाभिमान क्लस्टर लेवल फेडरेशन के अंतर्गत 80 स्वयं सहायता समूह की 1700 महिलाओं को योजना के अंतर्गत रोजगार मिला है। जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है साथ ही वह आत्मनिर्भर भी बनी है।

ग्रामीण महिलाओं ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की मदद से उन्हें 8 लाख का कम्यूनिटी इन्वेस्टमेंट फंड प्रदान किया गया. जिससे महिलाओ ने 800 गिफ्ट हैंपर बनाने का लक्ष्य रखा था। जिसमें से उन्होंने अभी तक 600 से अधिक गिफ्ट हैंपर बना कर बाजारों में उचित दामों पर बेच दिए हैं। महिलाओं द्वारा बनाए गए गिफ्ट हैंपर 2000 से 3000 तक के वर्गों में विभाजित है। प्रत्येक गिफ्ट हैंपर से महिलाओं को 20 प्रतिशत की बचत हो रही है। जिला मिशन प्रबंधक अपर्णा बहुगुणा ने बताया कि डोईवाला ब्लॉक की ग्रामीण महिलाओं द्वारा दीपावली के पर्व पर गिफ्ट हैंपर तैयार किए गए हैं। जिसमें अधिकतर पहाड़ी एवं जैविक उत्पादों के साथ हैंडमेड आइटम भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण महिलाओं के इस प्रयास से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है साथ ही वहा आत्मनिर्भर भी बन रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के अंतर्गत हमें प्रत्येक त्यौहार में ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे पहाड़ी उत्पादों को मार्केट में प्रदान करना है। साथ ही उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना भी है।

पुलिस ने छात्र-छात्राओं को पढ़ाया साइबर व महिला सुरक्षा का पाठ

संवाददाता

उत्तरकाशी। समाज में नशे के दुष्प्रभाव, साइबर अपराध तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरुकता बढाने के उद्देश्य से उत्तरकाशी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जनजागरुकता अभियान के अंतर्गत थाना पुरोला पुलिस की टीम द्वारा दौलत राम रंवाल्टा राजकीय इण्टर कॉलेज नौगांव व संस्कार इंटरनेशनल स्कूल पुरोला में जनजागरुकता शिविर आयोजित कर स्कूली छात्र/छात्राओं को नशा, साइबर, महिला अपराध व सड़क सुरक्षा के प्रति सचेत किया गया। वर्तमान डीजिटल युग में सभी को ऑनलाइन व सोशल मीडिया प्लेट फार्म पर सावधानी बरतते हुये साइबर फिशिंग, डिजिटल अरेस्ट, फेक कॉल, मैसेज, लिंक, ईमेल आदि के सम्बन्ध में व्यापक जानकारी देते हुये साइबर हेल्पलाईन नम्बर 1930 की उपयोगिता बताई गयी ।

फैक्टरी में आग लगने से हुआ लाखों का नुकसान

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस व दमकल विभाग ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। आग लगने से लाखों के नुकसान की आंशका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में गैस प्लांट के पीछे स्थित तिवारी फार्मा फैक्टरी में बीती शाम अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे आस-पास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह रही कि इस अग्निकांड में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। हालांकि, फैक्ट्री का कुछ हिस्सा जलकर राख हो गया है।

बताया जा रहा है बीती शाम अचानक फैक्टरी से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग बढ़ती चली गई। जिससे कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां तत्काल मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के काम में जुट गईं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री एनडी तिवारी को उनकी जयंती पर किया याद

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी को उनकी जयंती पर याद किया।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने कचहरी परिसर में प्रदेश के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री स्वर्गीय पंडित नारायण तिवारी की जयंती और पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि तिवारी जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि राज्य का चौमुखी विकास हो प्रदेश की जनता में भाईचारा सदैव बना रहे राज्य के आंदोलनकारी तो उनके सदैव ही ऋणी रहेंगे क्योंकि उन्होंने अपने कार्यकाल में आंदोलनकारियों को नौकरियाल और पेंशन दिलाने का कार्य किया और शहीद स्मारक भी उन्हीं के द्वारा बनवाया गया। तिवारी को याद करने वालों में प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, अतुल शर्मा, दानिश नूर, रणजीत जोशी, पारस यादव, जय बिष्ट ,संदीप गुप्ता, प्रदीप कुकरेती, अजीत वर्मा ,विजेंद्र रावत ,आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने राजकीय मेडिकल कॉलेज का किया निरीक्षण

संवाददाता

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह पांडेखोला स्थित सोबन सिंह जीना राजकीय मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां जिलाधिकारी अंशुल सिंह पांडेखोला स्थित सोबन सिंह जीना राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचे। यहां उन्होंने मेडिकल कॉलेज के संचालन और मेडिकल कॉलेज के अधीन संचालित बेस अस्पताल के बारे में विभिन्न जानकारियां प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज के स्टाफ, फैकल्टी, अध्ययनरत स्टूडेंट, बेस अस्पताल की ओपीडी इत्यादि के बारे में विस्तृत

जानकारियां प्राप्त की। उन्होंने प्रिंसिपल राजकीय मेडिकल कॉलेज को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बेस अस्पताल में ओपीडी के कार्य निर्धारित समय पर नियत रहे। कहा कि ओपीडी बढ़ाने पर फोकस किया जाए। लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएं। कहा कि संसाधनों का शत प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। यहां प्रिंसिपल डॉ. सीपी भैंसोड़ा, उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार समेत डॉक्टर्स उपस्थित रहे।

अभिभावक-शिक्षक समिति की कार्यकारिणी का गठन

संवाददाता

देहरादून। सरदार महिपाल राजेन्द्र जनजातीय पीजी कालेज सहिया में अभिभावक-शिक्षक समिति की कार्यकारिणी का गठन कर मायाराम को अध्यक्ष व गम्भीर तोमर को उपाध्यक्ष बनाया गया।

आज यहां सरदार महिपाल राजेन्द्र जनजातीय (पीजी) कॉलेज साहिया में अभिभावक-शिक्षक समिति की कार्यकारिणी का सफलतापूर्वक गठन किया गया। इस समिति का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के छात्रों के सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना है। समिति के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों तथा छात्र हितों से जुड़ी कार्ययोजनाओं में अभिभावकों की सक्रिय भूमिका को मजबूत किया जाएगा, ताकि छात्रों का शैक्षणिक, सामाजिक एवं व्यक्तिगत विकास प्रभावी ढंग से हो सके। कार्यकारिणी में सर्वसम्मति से अध्यक्ष के पद पर माया राम, उपाध्यक्ष गम्भीर तोमर, कोषाध्यक्ष दौलत भारती, सचिव डॉ. शशिकला, सहसचिव गंभीर सिंह और सदस्य संजय चौहान, सुनीता देवी, कमल सिंह नेगी, आनन्द सिंह को चुना गया। महाविद्यालय के चेयरमैन अनिल सिंह तोमर ने इस अवसर पर कहा, महाविद्यालय परिवार का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। अभिभावक एवं शिक्षक मिलकर छात्रों की रुचियों को बढ़ावा देकर उनके समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रवि कुमार ने सभी उपस्थित अभिभावकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह समिति महाविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा को और मजबूत बनाएगी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में महाविद्यालय की उप-प्राचार्या डॉ. प्रियंका जलाल, डॉ. चंद्रिका तथा समस्त शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे। समिति के गठन से महाविद्यालय में अभिभावक-शिक्षक सहयोग को नई दिशा मिलेगी।

कांग्रेस जनों ने मोहन सिंह दसौनी के निधन पर शोक प्रकट किया

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस जनों ने कैप्टन मोहन सिंह दसौनी के निधन पर शोक प्रकट किया। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने रिटायर्ड कैप्टन मोहन सिंह दसौनी के आकस्मिक निधन पर शोक प्रकट करते हुए उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने अपने शोक संदेश में कैप्टन मोहन सिंह दसौनी के निधन पर शोक प्रकट करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मैं इस दुःख की घडी में उनके साथ बराबर का सहभागी हूं, मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि ईश्वर स्व. मोहन सिंह दसौनी की आत्मा को शांन्ति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति देवें। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशासन एवं संगठन सूर्यकान्त धस्माना, मीडिया चेयरमैन राजीव महर्षि, सोशल मीडिया सलाहकार अमरजीत सिंह, प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी, राजेन्द्र शाह, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह, शीशपाल सिंह बिष्ट, आदि कांग्रेसजनों ने भी कैप्टन मोहन सिह दसौनी के निधन पर शोक प्रकट करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

राज्य की नदियों में निरंतर जारी अवैध खननः डॉ. सिंह

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने कहा कि राज्य में धामी सरकार के संरक्षण में अवैध खनन का कारोबार निरंतर जारी है।

आज यहां कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने उत्तराखंड राज्य में धामी सरकार के संरक्षण में फल-फूल रहे अवैध खनन के कारोबार पर बोलते हुए कहा कि राज्य में अवैध खनन का कारोबार राज्य सरकार के संरक्षण में फल-फूल रहा है। उच्च न्यायालय ने भी माना कि राज्य की नदियों में भारी मात्रा में हो रहे अवैध खनन से न केवल पौराणिक नदियों का स्वरूप बिगाड़ा जा रहा है अपितु यह पर्यावरण के लिए भी चिन्तनीय है। अवैध खनन में लिप्त अपराधियों के हौसले जिस प्रकार बुलंद है, इससे यह संदेश जा रहा है कि अवैध खनन में लिप्त कारोबारियों को उच्च स्तरीय राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है जो कि पूरे प्रदेश के लिए अत्यंत ही गम्भीर चिन्ता का विषय है।

डॉ. प्रतिमा सिंह ने राज्य की धामी सरकार को खनन प्रेमी बताते हुए कहा कि राज्य की धामी सरकार खनन माफियाओं के हाथों में खेल रही है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा सरकार की खनन नीति पर जिस प्रकार रोक लगाई गई थी तथा कोटद्वार में एक भाजपा नेता पर अवैध खनन में लिप्त होने तथा भाजपा के ही नेता द्वारा सरकारी अधिकारी की खनन माफिया के साथ संलिप्तता की स्वीकारोक्ति से स्पष्ट हो गया था कि भाजपा की राज्य सरकार को खनन माफिया चला रहे हैं यह बात आज फिर से उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में साबित कर दी है।

क्या भारतीय राजनीति बेरोजगारों को संतुष्ट करने तक सीमित रह गई है?

एक भारत नेता या अभिनेता बनने का सपना देखता है, तो दूसरा मंत्री या संतरी बनने की होड़ में है। लेकिन शायद अंततः दोनों की चाहत एक जैसी है – चार पीः पावर (सत्ता), प्रेस्टिज (प्रतिष्ठा), पैसा और पहचान।

राजनीतिक विचारक थॉमस हॉब्स ने सत्ता की इच्छा को एक लगातार चलने वाली, बेचैन चाह बताया – जो आत्म-संरक्षण की प्रवृत्ति से प्रेरित होती है। उनके अनुसार, यह इच्छा सभी के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा करती है, जिसे केवल एक सर्वोच्च, अटूट सत्ता के जरिये ही नियंत्रित किया जा सकता है – वही सत्ता जो कानून, नैतिकता और न्याय को परिभाषित करे और समाज में शांति बनाए रखे।

लेकिन लोकतंत्र में यह शक्ति चुनावी प्रक्रिया के जरिये हासिल की जाती है। राजनीतिक दलों और नेताओं को चुनाव जीतकर ही राज्य की सत्ता तक पहुंचना होता है। इसके लिए चुनावी घोषणापत्र जारी किए जाते हैं, जिनमें तरह-तरह के वादे किए जाते हैं – कई बार हद से ज्यादा।

आज के दौर में सत्ता में आने का दबाव इतना बढ़ गया है कि राजनीतिक दल अवास्तविक वादे करने लगे हैं – जैसे कि हर परिवार के एक सदस्य को

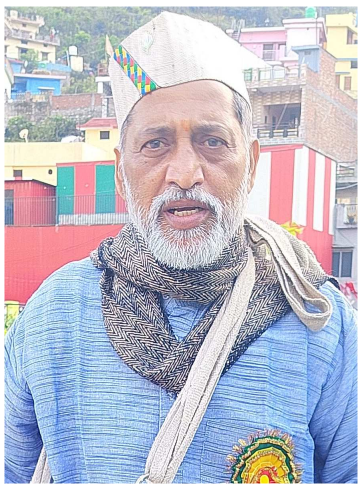

●देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

नौकरी देने का भरोसा। सरकार के कुछ विभागों में थोड़ी-बहुत भर्तियाँ होती हैं, और उनके नियुक्ति-पत्र मंत्रियों के हाथों मीडिया के सामने सौंपे जाते हैं – जैसे कोई ऐतिहासिक कार्य हुआ हो। जनता ऐसे आयोजनों से प्रभावित होती है, और इसे सरकार की बड़ी उपलब्धि मान बैठती है।

लेकिन सच तो यह है कि सरकार को चाहिए था कि वह विशेषज्ञों और नागरिक संगठनों के साथ मिलकर शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, ग्रामीण विकास और सहकारिता जैसे नीतिगत मुद्दों पर ठोस योजनाएं बनाती।

आज सोशल मीडिया के कारण वैकल्पिक विचार और तर्क लोगों तक पहुँच पा रहे हैं। हाल ही में हुई परीक्षाओं में पेपर लीक और उसके खिलाफ बेरोजगार युवाओं का आक्रोश इतना व्यापक हुआ कि सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा – सीबीआई जांच और परीक्षाओं के पुनर्निर्धारण की घोषणा की गई। और यह भी एक "उपलब्धि" की तरह पेश किया गया।

मान लें कि आगे सब कुछ सही तरीके से होता है, लेकिन क्या तब भी सरकार बेरोजगार युवाओं के केवल 8 से 10 प्रतिशत को नौकरी दे पाएगी?

हमें अब दीर्घकालिक समाधान की ओर बढ़ना होगा। नई शिक्षा नीति में कौशल विकास पर जोर दिया गया है – उसे जमीन पर उतारने की जरूरत है। जो छात्र उच्च शिक्षा या पेशेवर पाठ्यक्रमों में जाना चाहते हैं, उनके लिए छात्रवृत्ति और रिसर्च फेलोशिप की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए।

अगर भविष्य की राजनीति सिर्फ सरकारी नौकरियों और पीएसयू में भर्तियों के वादों पर ही टिकी रही – राशन और पेंशन की योजनाओं की तरह – तो क्या हम वास्तव में 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बना पाएंगे?

'लेखक एक समाजशास्त्री हैं व चार दशकों से विकास क्षेत्र में सक्रिय हैं)

सेवा भारती द्वारा महिलाओं व बच्चों संग मनाया दीपावली मिलन कार्यक्रम

देहरादून (सं)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर बस्ती कोलागढ में सेवा भारती द्वारा महिलाओं व बच्चों के साथ दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सचिन गुप्ता ने बताया की आप सब भाजपा का परिवार है, कोई घर सिर्फ धन के आभाओ मे या परिवार से दूर होने के कारण ऐसा नहीं छूटना चाहिए जो दीपवाली की खुशियाँ ना मना सके,देश के प्रध नमंत्री नरेंद्र मोदी हो या उत्तराखंड के युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दीपवाली का त्यौहार दूर सीमाओ की रक्षा करने वाले अपने परिवार से दूर रहने वाले जाबाज सेना के जवानों संग मनाते है, उन्ही की प्रेरणा से आज हम आपके बीच आकर दीपावली मना रहे है, जिसमे बच्चो को स्कूल बैग, पटाके, महिलाओ को बर्तन के उपहार, मिष्ठान वितरण कर सबके साथ दीपवाली उत्सव मनाया। इस अवसर पर कैंट विधायक श्रीमती सविता कपूर, राज्यमंत्री कैलाश पंत, भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती नेहा जोशी, पूर्व पार्षद श्रीमती समिधा गुरुंग, सुमित पांडेय, शेखर नौटियाल, आयुष खोलिया, श्रीमती राजेश्वरी देवी, अनीता मरोड़े, किरण थापा आदि उपस्थित रहे।

स्कूल के छात्र-छात्राओं को कराया थाना चंबा का विजिट

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने साईबर माह अभियान के तहत स्कूल के छात्र-छात्राओं को थाना चंबा का विजिट कराया।

आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद टिहरी गढ़वाल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत अपर पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल व क्षेत्राधिकारी चंबा के मार्गदर्शन/पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी चंबा द्वारा मॉडर्न पब्लिक स्कूल के बच्चों को थाना कार्यालय चंबा का विजिट करवाया गया सभी बच्चों को पुलिस की कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया। सभी स्कूल के बच्चों को साइबर अपराध, नशा मुक्ति, महिला अपराध, बाल अपराध, यातायात नियमों के संबंध में जागरूक किया गया इस कार्यक्रम में विद्यालय के कुछ शिक्षक व तथा 400 छात्र- छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में संजय मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र नगर, एवं दिलबर सिंह नेगी, थाना प्रभारी चंबा, द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को वित्तीय साइबर क्राइम की चर्चा करते हुए डिजिटल अरेस्ट,

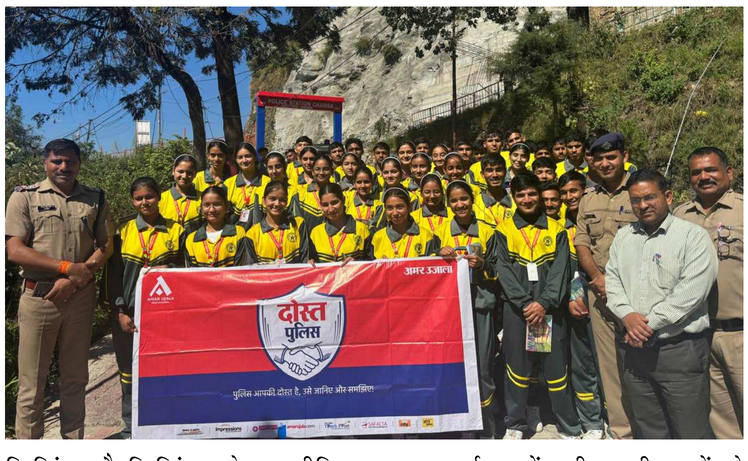

फिशिंग, कैटफिशिंग, सोशल मीडिया धोखाधड़ी, बैंकिंग धोखाधड़ी, ई-कॉमर्स धोखाधड़ी, ऑनलाइन उत्पीड़न आदि के बारे में जानकारी देते हुए उनसे बचाव व सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। वित्तीय साइबर धोखाधड़ी पर तत्काल 'टोल फ्री नंबर 1930 या साइबर क्राइम ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत करने हेतु जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त सड़क पर चलने के संबंध में यातायात नियमों का पालन करते हुए यातायात नियमों की जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम में सभी स्कूली बच्चों को ड्रग्स से दूर रहने एवं उसके दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उक्त कार्यक्रम में यातायात नियमों का पालन करने को कहा गया एवं सड़क दुर्घटना के दौरान तत्काल पुलिस व 108 को सूचित करते हुए घायलों को मौके पर किस प्रकार से प्राथमिक उपचार दिया जाए जिससे की मृत्यु दर को कम किया जा सके, के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में थाना पुलिस के अतिरिक्त मॉडर्न स्कूल के छात्र छात्राएँ सम्मिलित रही।

सर्दियों के दौरान स्कैल्प को कई लाभ दे सकते हैं ये 5 हेयर मास्क

सर्दियों के दौरान चलने वाले ठंडी हवा स्कैल्प और बालों को बहुत नुकसान पहुंचा सकती है। इसके कारण डैंड्रफ और फ्रिजी बालों से लेकर स्प्लिट एंड्स और खुजली तक, कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, अगर आप चाहें तो इन समस्याओं से अपने स्कैल्प का बचाव करने के साथ ही इसे मॉइस्चराइज रख सकते हैं। आइए इसके लिए आज पांच असरदार हेयर मास्क बारे में जानते हैं।

नारियल तेल, सेब के सिरके और शहद का हेयर मास्क

सबसे पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच नारियल तेल, एक बड़ी चम्मच सेब का सिरका और दो बड़ी चम्मच शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने स्कैल्प और बालों पर लगाकर करीब 30 मिनट के लिए छोड़ दें। समय पूरा हो जाने के बाद अपने सिर को शैंपू से साफ कर लें। आप चाहें तो इस मिश्रण को एक बार में ज्यादा बनाकर किसी जार में भी स्टोर कर सकते हैं ताकि आपको इसे बार-बार ना बनाना पड़े।

दही और केले का हेयर मास्क

सबसे पहले एक कटोरी में पके केले को डालकर इसे चम्मच से मैश कर लें। अब इसमें दो बड़ी चम्मच जैतून का तेल और आधा कप दही मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाएं। फिर लगभग 45 मिनट के बाद अपने सिर को शैंपू और गुनगुने पानी से धो लें। यह हेयर मास्क स्कैल्प बालों का रूखापन दूर करने में काफी मदद कर सकता है।

एवोकाडो और जैतून तेल का हेयर मास्क

इस हेयर मास्क को तैयार करने के लिए पके एवोकाडो को मिक्सी में पीसने के बाद एक कटोरी में दो से तीन बड़ी चम्मच जैतून तेल के साथ डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने सिर पर लगाएं और 30 से 45 मिनट के बाद सिर को धो लें। यह हेयर मास्क स्कैल्प को पोषित करने के साथ-साथ बालों को मुलायम बनाने और दोमुंहें बालों से छुटकारा दिलाने में सहायक हो सकता है।

योगर्ट, नींबू और सेब के सिरके का हेयर मास्क

सबसे पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच योगर्ट, एक बड़ी चम्मच सेब का सिरका और एक चम्मच नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाएं। फिर लगभग 30 मिनट के बाद सिर को शैंपू से साफ कर लें। यह मास्क सिर से डैंड्रफ दूर करने में काफी मदद कर सकता है।

नारियल तेल और एलोवेरा का हेयर मास्क

सबसे पहले एलोवेरा की ताजी पत्ती को बीच में काटकर इसका सारा जेल एक कटोरी में निकाल लें। फिर दूसरी कटोरी में एलोवेरा जेल और नारियल तेल की बराबर मात्रा को डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने सिर पर लगाएं और 30 मिनट के बाद सिर को शैंपू को साफ कर लें। हफ्ते में एक या दो बार इस हेयर मास्क का इस्तेमाल करने से बाल स्वस्थ और चमकदार बने रहेंगे।

सर्दियों में डैंड्रफ आएगा ही नहीं, ये 4 टिप्स फॉलो करें

सर्दियों में बालों में रूसी या डैंड्रफ की समस्या होना बहुत ही कॉमन है। पूरे विंटर सीजन में ज्यादातर लोग कभी ना कभी इस समस्या को जरूर फेस करते हैं। लेकिन आप इस समस्या से बचे रह सकते हैं, अगर थोड़ी-सी सावधानी बरत लें...

जल्द मिलेगा रूसी से छुटकारा

अगर आप रूसी की समस्या से तुरंत आराम चाहते हैं तो दही में अंडे की सफेदी और शहद मिलाकर बालों में लगाएं। फिर 30 मिनट बाद धो लें। आपको एक वॉश में फर्क नजर आएगा। सप्ताह में एक बार इस तरीके को अपनाकर आप पूरी सर्दियों खूबसूरत बाल पा सकते हैं।

यह आपको पता है, बस इस तरह करना है

हम सभी जानते हैं कि सिर में ऑइल से मसाज करना बालों और ब्रेन दोनों के लिए अच्छा होता है। क्योंकि स्कैल्प में हेयर मसाज के बाद ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और बालों की ग्रोथ अच्छी होती है। वहीं, ब्रेन रिलैक्स होता है। सर्दियों में सरसों ऑइल को हल्का गर्म करके इससे मसाज करनी चाहिए। आप चाहें तो नारियल का तेल भी यूज कर सकते हैं।

नींबू और शहद को मिक्स करके बालों में लगाने से बालों में रूसी की समस्या खत्म होती है। नींबू में साइट्रिक अम्ल होता है, जो किसी भी तरह के फंगस को पनपने नहीं देता और शहद सिर की त्वचा में नमी बनाए रखता है। इनका मिश्रण आप सप्ताह में 2 से 3 बार बालों में 25 मिनट लगाकर शैंपू कर लें। रूसी की समस्या नहीं होगी। साथ ही आपके बाल शाइनी और स्मूद बनेंगे।

रूखे बालों में रूसी की समस्या

अगर आपके बाल काफी रूखे या हार्ड हैं तो सर्दियों में डैंड्रफ से बचने के लिए आप ऑलिव ऑइल यानी जैतून के तेल से बालों में मसाज कर सकते हैं। इससे बाल चिपचिपे भी नहीं होते हैं और डैंड्रफ भी होता है। आप इसे शहद के साथ मिक्स करके हेयर मास्क बनाकर भी यूज कर सकते हैं। यह मास्क लगाने के 30 मिनट बाद शैंपू कर लें। सप्ताह में दो बार ऐसा करने पर डैंड्रफ साफ हो जाएगा।

डाइट सोडा पीने से हो सकती हैं गंभीर समस्याएं, न करें सेवन

डाइट सोडा को अक्सर सेहत के लिए सही माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह आपके स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। इसमें मौजूद आर्टिफिशियल मिठास और अन्य रसायन शरीर पर बुरा असर डाल सकते हैं। इस लेख में हम आपको डाइट सोडा के सेवन से जुड़ी कुछ चौंकाने वाली सच्चाइयों के बारे में बताएंगे, जो आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं।

वजन बढ़ने के खतरा

डाइट सोडा में इस्तेमाल होने वाले आर्टिफिशियल मिठास जैसे एस्पार्टेम और सुक्रालोज का सेवन वजन बढ़ाने का कारण बन सकता है। ये मिठास शरीर की मेटाबालिज्म प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं और शरीर की इंसुलिन प्रतिक्रिया को बदल सकते हैं। इससे शरीर में अतिरिक्त चर्बी जमा होने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे वजन बढ़ना शुरू हो सकता है। इसलिए डाइट सोडा का सेवन करने वाले लोगों को अपने वजन पर नजर रखनी चाहिए।

हृदय रोग का बन सकता है कारण

डाइट सोडा का अधिक सेवन करने से हृदय रोगों का खतरा भी बढ़ सकता है। आर्टिफिशियल मिठास के कारण रक्तचाप में वृद्धि हो सकती है, जिससे हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा इन मिठास के कारण रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है, जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है। इसलिए डाइट सोडा का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए और किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करें।

पाचन क्रिया पर पड़ता है बुरा असर

डाइट सोडा का अधिक सेवन पाचन क्रिया पर भी बुरा असर डाल सकता है। इसके कारण पेट में एसिड की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे पेट दर्द और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। .यइसके अलावा डाइट सोडा में मौजूद रसायनों के कारण पेट फूलना और कब्ज जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए डाइट सोडा का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए और किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करें।

गर्भावस्था में हो सकता है नुकसानदायक

गर्भावस्था के दौरान डाइट सोडा का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। इसमें मौजूद आर्टिफिशियल मिठास और रसायन गर्भवती महिलाओं और उनके होने वाले शिशुओं के लिए खतरा साबित हो सकते हैं। इससे शिशु का विकास भी प्रभावित हो सकता है और जन्मजात बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए गर्भवती महिलाओं को डाइट सोडा का सेवन करने से पहले डाक्टर की सलाह लेनी चाहिए और संतुलित आहार के साथ पानी का सेवन करना चाहिए।

मस्तिष्क पर पड़ सकता है बुरा असर

डाइट सोडा के लगातार सेवन से मस्तिष्क भी प्रभावित हो सकता है। इससे मस्तिष्क की कार्यक्षमता कमजोर हो सकती है और याददाश्त पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इसकेअलावा डाइट सोडा में मौजूद रसायनों के कारण सिरदर्द और माइग्रेन जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं इसलिए डाइट सोडा का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए और किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर तुरंत डाक्टर से संपर्क करें।

शब्द सामर्थ्य -024

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

1		■	2		3	4	■	■
	■	5		■	6		7	■
8	9		■	10		■	11	
■	12		■	13		14	■	■
■	15			■	■	16	17	
■	18		■	19				■
■	■	■	20		■	21		■
■	22						■	23
24		■	25		■	■	26	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 23 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

जब एक ही टेक में पूरा किया था मोना सिंह ने 3 इडियट्स का इमोशनल सीन

मोना सिंह भारतीय मनोरंजन जगत में बहुमुखी प्रतिभा और सादगी की प्रतीक हैं। 8 अक्टूबर 1981 को मुंबई में जन्मीं मोना ने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की और आज वे छोटे पर्दे से लेकर सिल्वर स्क्रीन तक छाप छोड़ चुकी हैं। एक मिडिल-क्लास पंजाबी परिवार में पली-बढ़ी मोना ने संघर्ष और मेहनत से बॉलीवुड और ओटीटी में खास मुकाम हासिल किया है। मोना ने 2008 में फिल्म 3 इडियट्स में छोटी लेकिन प्रभावी भूमिका से बॉलीवुड में कदम रखा, जहां उनके किरदार ने दर्शकों का दिल जीता। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में छोटे और महत्वपूर्ण किरदार निभाए। वह लाल सिंह चड्ढा और मुंज्या जैसी फिल्मों में अपने किरदार को यादगार बनाती दिखीं। मोना सिंह कई वेब सीरीज में भी अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं। मोना सिंह की सबसे यादगार फिल्मों में से एक है राजकुमार हिरानी की ब्लॉकबस्टर 3 इडियट्स, जिसमें उन्होंने करीना कपूर की बड़ी बहन मोना सहस्त्रबुद्धे का किरदार निभाया। इस फिल्म से जुड़ा उनका किस्सा उनके प्रोफेशनलिज्म और समर्पण को दिखाता है, जहां एक छोटे से रोल के लिए उन्हें तकनीकी और भावनात्मक, दोनों ही चुनौतियों से गुजरना पड़ा। इतनी बड़ी फिल्म में मोना सिंह का कुल शूटिंग शेड्यूल सिर्फ दो सप्ताह का था। इतने कम समय में उन्हें फिल्म के सबसे यादगार और भावनात्मक दृश्यों में से एक को निभाना था। इस सीन में वह बच्चे को मुश्किल परिस्थितियों में जन्म देती दिखाई देती हैं। फिल्म में वह गर्भवती महिला का किरदार निभा रही थीं, इसलिए उन्हें एक विशेष प्रोस्थेटिक बेली पहनना पड़ा। इस लुक को हर दिन सही करना और इस वेशभूषा में अभिनय करना अपने आप में एक चुनौती थी। यह सीन सिर्फ भावनात्मक ही नहीं, बल्कि तकनीकी रूप से भी जटिल था। फिल्म में आमिर खान का किरदार रैंचो वीडियो कॉल पर डिलीवरी कराता है। मोना को रैंचो के निर्देशों पर प्रतिक्रिया देनी थी और डिलीवरी की पूरी प्रक्रिया को एकदम रियल दिखाना था। इतने बड़े कलाकारों के साथ एक ही टेक में यह सब करना आसान नहीं था। राजकुमार हिरानी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए मोना ने सीमित समय में ही अपने किरदार की ईमानदारी को निभाया। यह सीन फिल्म के लिए न सिर्फ आइकॉनिक बना, बल्कि, मेन टर्निंग प्वाइंट भी था।

मुंबई की फिल्म सिटी बनेगी वर्ल्ड-क्लास, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया वादा

मुंबई में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन फिक्की फ्रेम्स में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को साथ देखा गया। इस दौरान मंच से एक्टर ने सीएम से कई सवाल पूछे और सीएम ने सवालों का जवाब देते हुए फिल्म नायक का किस्सा भी शेयर किया। इसके अलावा, एक्टर ने मुंबई के विकास और फिल्म सिटी के विकास पर भी सवाल पूछे, और सीएम फडणवीस ने गोरेगांव को वर्ल्ड-क्लास बनाने की बात कही। कार्यक्रम में अक्षय कुमार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूछा कि बॉम्बे का विकास हो चुका है, लेकिन हमारी फिल्म सिटी गोरेगांव पर आपकी दृष्टि कब पड़ेगी? इस सवाल का जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि मेरी बहुत इच्छा थी फिल्म इंडस्ट्री के इंटरनेशनल फिल्म इकोसिस्टम को बदलूं, इसके बारे में इंडस्ट्री के बड़े लोगों से बात भी हुई, लेकिन किन्हीं कारणों से हो नहीं पाया, लेकिन अब मैंने ठान लिया है कि मुंबई की फिल्म सिटी को वर्ल्ड-क्लास बनाएंगे। उन्होंने आगे कहा, यहां आईआरसीटीसी सहित कई बड़े स्टूडियो आने वाले हैं। अब फिल्म मेकिंग का पूरा तरीका बदल चुका हैव्वीएफएक्स, एडिटिंग, प्रोडक्शन और वर्चुअल लोकेशन्स का दौर है। हमें उसी हिसाब से एक अत्याधुनिक फिल्म सिटी तैयार करनी होगी। सीएम ने आगे कहा, अगले चार सालों में इस पूरे एरिया को ट्रांसफॉर्म किया जाएगा, ताकि मुंबई की फिल्म सिटी भी दुनिया की प्रमुख फिल्म सिटीज़ की तरह एक आइकॉनिक डेस्टिनेशन बने। इसी के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुलासा किया कि कैसे अनिल कपूर की फिल्म नायक उनके लिए मुसीबत बन गई। कार्यक्रम में किस्सा शेयर कर सीएम ने कहा कि फिल्म नायक के बाद मुझे बहुत परेशानी हुई क्योंकि उस फिल्म में अनिल कपूर एक दिन के लिए सीएम बनते हैं और दुनिया को बदल देते हैं लोग मुझसे उम्मीद करते हैं कि मैंने ऐसा क्यों नहीं किया, जैसा अनिल कपूर ने कर दिया। सीएम ने आगे कहा कि जनता अनिल कपूर को नायक और मुझे नालायक समझने लगी लेकिन मैं अपनी पूरी कोशिश कर रहा हूं कि सभी उद्देश्य पूरे हों। इसके अलावा कार्यक्रम में अक्षय कुमार ने सीएम फडणवीस से पुलिस के जूते बदलने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस के जूतों की एड़ी बड़ी होती है, जिससे चलने और दौड़ने में परेशानी होती है। वहीं एक्टर ने अपनी अपकमिंग फिल्म हैवान के बारे में भी बताया जिसमें वो निगेटिव रोल कर रहे हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

ईशा गुप्ता ने बयां की बॉलीवुड में अपने 13 सालों के सफर और मानसिक स्वास्थ्य पर अपने दिल की बात

फिल्म जन्नत 2 से धमाकेदार डेब्यू करने के बाद अब ईशा गुप्ता को बॉलीवुड में 13 साल पूरे हो चुके हैं। इन सालों में ईशा ने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में बॉम्बे टाइम्स से बातचीत में ईशा ने अपने इस सफर को एक ऐसे रोलरकोस्टर की तरह बताया, जिसमें बहुत सारा सीखना, बढ़ना और नए अनुभव शामिल रहे। अपने काम के प्रति बदले नज़रिए पर ईशा कहती हैं, वक्त के साथ चीज़ें बदल गई हैं और मेरा नज़रिया भी। पहले मैं स्क्रिप्ट के बारे में सोचती थी, लेकिन अब मेरा ध्यान सिर्फ़ किरदार और डायरेक्टर की सोच पर होता है। एक साधारण कहानी भी सही फ़िल्ममेकर के हाथों में मास्टरपीस बन सकती है। अगर मेरा रोल सिर्फ दो मिनट का हो, तब भी मैं उसे पूरी मेहनत से करती हूं, क्योंकि राइटर ने वो किरदार मेरे लिए लिखा है। गौरतलब है कि फिल्मों में अपने किरदारों के अलावा ईशा मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे को लेकर भी काफी जागरूक हैं। बिना किसी लाग-लपेट के वह कहती हैं, इसमें कोई शक नहीं है कि आज भी हमारे देश में मेंटल थेरेपी को गलत नज़र से देखा जाता है, जबकि हकीकत यह है कि एक स्वस्थ दिमाग ही थेरेपी का चुनाव करता है। हममें से ज़्यादातर लोग थेरेपी के लिए इसलिए जाते हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि ये हमारी बेहतरी के लिए है, जबकि जिन्हें इसकी ज़रूरत है, वे कभी जाते ही नहीं। सच खून, तो मुझे आगे बढ़ने में मेरी थेरेपी ने बहुत मदद की है। मैं हमेशा कहती हूं कि अगर आपके पास पैसा है, तो उसे अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर खर्च करो और उसे स्वस्थ रखो, क्योंकि इनके बिना बाकी सब बेकार है।

जहां तक ईशा के अगले प्रोजेक्ट की बात है, ईशा जल्द ही धमाल 4 में अजय देवगन के साथ नज़र आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो ईद 2026 पर बड़े स्तर पर रिलीज़ होगी। इसमें दो राय नहीं है कि जन्नत 2 से लेकर अब तक ईशा ने बतौर अभिनेत्री खुद को बार-बार तराशते हुए एक कलाकार बनने का सफर तय किया है और उनका यह सफर सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, बल्कि पर्दे के बाहर भी जुनून, लगन और आत्मविकास की प्रेरणादायक कहानी है।

शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया पर की संयम की बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा से 60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में पूछताछ हुई। पिछले मंगलवार को एक्ट्रेस से आर्थिक अपराध शाखा ने चार घंटे तक पूछताछ की है। ये पूछताछ एक्ट्रेस के घर पर की गई, लेकिन अब लगता है कि इस मुश्किल समय में उन्होंने खुद पर संयम पाने का तरीका ढूंढ लिया है। उन्होंने फेमस मार्शल आर्टिस्ट ब्रूस ली का कोट शेयर किया है। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है जिसमें वे इमोशनल वीकनेस की बात कर रही हैं। कोट में लिखा है, अगर आप हर बात पर भावनात्मक प्रतिक्रिया देते हैं, तो आप लगातार कष्ट झेलते रहेंगे। सच्ची शक्ति चुपचाप बैठकर तर्क के साथ चीज़ों को देखना है, यही सच्ची शक्ति संयम है। अगर शब्द आपको नियंत्रित करते हैं, तो इसका मतलब है कि बाकी सभी आपको नियंत्रित कर सकते हैंज् सांस लें और चीज़ों को गुज़रने दें।

कोट से साफ है कि एक्ट्रेस 60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले से काफी परेशान हैं, लेकिन धैर्य से मामले को संभालने की कोशिश कर रही हैं।

बता दें कि इस मामले में शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के अलावा और तीन लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। इससे पहले राज कुंद्रा का भी बयान दर्ज किया गया।

शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा था कि एक्ट्रेस ने कंपनी का विस्तार करने के लिए 75 करोड़ का लोन लिया था लेकिन ब्याज की दरों को देखते हुए इसे निजी निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। उन्होंने कोठारी को विश्वास दिलाया कि वे हर महीने ब्याज की रकम भरेंगी, लेकिन शिल्पा ने वो पैसे बिजनेस में न लगाकर निजी तौर पर खर्च किए और फिर बाद में कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। व्यवसायी दीपक कोठारी ने कई बार एक्ट्रेस से पैसे वापस देने की मांग की लेकिन कोई जवाब नहीं आया है और उन्होंने दंपत्ति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया।

वर्क फ्रंट की बात करें तो शिल्पा डांस रियलिटी शो सुपर डांसर चैप्टर 5 में दिख रही हैं। शो के लेटेस्ट प्रोमो में उन्हें एक्टर मिथुन चक्रवर्ती के साथ डांस करते हुए देखा गया।

राहुल गांधी अपना काम कर रहे हैं

अजीत द्विवेदी

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के असली सर्वोच्च नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी क्या कुछ ऐसा कर रहे हैं, जो उनको नहीं करना चाहिए? यह बड़ा सवाल है क्योंकि वे जो कुछ भी करते हैं उस पर सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से सवाल उठाया जाता है और सोशल मीडिया में सक्रिय भाजपा के इकोसिस्टम व कथित पत्रकारों की ओर से भी सवाल उठाया जाता है। वे युवाओं की बात करते हैं तो कहा जाता है कि युवाओं को उकसा रहे हैं। वे लद्दाख के आंदोलन का समर्थन करते हैं तो कहा जाता है कि देश तोड़ने वालों के साथ हैं। विदेश में जाकर भाषण देते हैं और मौजूदा सरकार की कमियां गिनाते हैं तो उन पर विदेश में जाकर देश विरोधी काम करने का आरोप लगाया जाता है। वे %वोट चोरी' के आरोप लगाते हैं और मतदाता सूची में गड़बड़ी का मुद्दा उठाते हैं तो कहा जाता है कि वे संस्थाओं को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। वे क्रोनी कैपिटलिज्म का मुद्दा उठाते हैं तो कहा जाता है कि वे देश में आर्थिक तरक्की नहीं चाहते हैं और देश को पिछड़ा बनाए रखना चाहते हैं इसलिए उद्योगपतियों पर सवाल उठा रहे हैं। आदि, आदि।

वास्तविकता यह है कि इनमें से कोई भी काम ऐसा नहीं है, जो मुख्य विपक्षी पार्टी का नेता होने और लोकसभा में नेता विपक्ष होने के नाते उनको नहीं करना चाहिए। वे वही काम कर रहे हैं, जो करने की जिम्मेदारी उनको देश के नागरिकों ने दी है। ध्यान रहे देश के मतदाता सिर्फ सरकार नहीं चुनते हैं, बल्कि विपक्ष भी चुनते हैं। उन्होंने २०१४ और २०१९ में कमजोर विपक्ष चुना और मजबूत सरकार चुनी। लेकिन २०२४ में कमजोर सरकार और मजबूत विपक्ष चुना। देश के सौ करोड़ मतदाताओं के जनादेश से ही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तो राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बने हैं। जैसे प्रधानमंत्री जनता की ओर से दी गई जिम्मेदारी निभा रहे हैं वैसे ही राहुल गांधी भी मतदाताओं द्वारा की गई जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

हां, यह जरूर है कि वे इस जिम्मेदारी को और बेहतर ढंग से निभा सकते थे। उनके पास अब 21 साल का राजनीतिक और विधायी कामकाज का अनुभव है। इसमें से १० साल उनकी पार्टी सरकार में रही तो निश्चित रूप से सरकार के कामकाज भी उनकी भूमिका रही। सो, वे सरकारी कामकाज के तौर तरीकों से परिचित हैं तो 11 साल की विपक्ष की राजनीति करके वे विपक्ष की भूमिका से भी बखूबी परिचित हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को एक मजबूत विपक्ष के तौर पर काम करते देखा है। उन्हें यह जरूर सोचना चाहिए कि क्या वे उस तरह से विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं, जैसे भाजपा ने २००४ से २०१४ के बीच निभाई थी? विपक्ष की भूमिका से आशय संसद के अंदर के कामकाज से नहीं है। वहां तो कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियां भी वैसे ही संसद स्थगित कर रही हैं, हंगामे और नारेबाजी कर रही हैं, जैसे भाजपा करती थी। लेकिन संसद के बाहर और मीडिया स्पेस में जिस तरह से भाजपा ने काम किया वह विपक्ष की टेक्स्टबुक भूमिका थी। कांग्रेस के सरकार में होने के बावजूद भाजपा ने कानून व्यवस्था से लेकर भ्रष्टाचार और महंगाई तक अपना नैरेटिव बनाया और कांग्रेस सारे समय उसका जवाब देती रही।

इसके उलट आज जब राहुल गांधी और कांग्रेस विपक्ष में हैं तब भी भाजपा और सरकार ही नैरेटिव बना रहे हैं और कांग्रेस उनका जवाब दे रही है। यानी विपक्ष में होकर भी कांग्रेस रिसीविंग मोड में है। यह भाजपा के नैरेटिव की ताकत है, उसकी होशियारी, अति सक्रियता और संसाधनों की बहुतायत है या कांग्रेस की कमजोरी है यह अलग बहस का विषय है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि पिछले 11 साल में एकाध मौकों को छोड़ दें तो कांग्रेस कभी भी सरकार को घेरने, उसे बैकफुट पर लाने और उसको जवाबदेह बनाने वाले नैरेटिव के सेंटर में नहीं रही। ज्यादातर मौकों पर अराजनीतिक समूहों ने सरकार को जवाबदेह बनाया। कांग्रेस को इस पर विचार करने की जरुरत है कि आखिर वह क्यों बहुत प्रभावी विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पा रही है। उसे इस पर भी सोचना चाहिए कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैसे लगातार एंटी इन्कम्बेंसी को कम करने या बढ़ने नहीं देने के लिए काम कर रहे हैं।

बहरहाल, विषयांतर हो रहा है लेकिन मूल बात यह है कि राहुल गांधी वही काम कर रहे हैं, जो देश के नेता प्रतिपक्ष के नाते उनको करना चाहिए। राहुल गांधी अगर चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं और उसकी निष्ठा संदिग्ध बता रहे हैं तो वे ऐसा करने वाले पहले नेता प्रतिपक्ष नहीं हैं। जब भाजपा विपक्ष में थी तो उसके नेता भी चुनाव आयोग पर, चुनाव प्रक्रिया पर और ईवीएम पर सवाल उठाते रहे हैं। लालकृष्ण आडवाणी ने ईवीएम पर सवाल उठाए थे और उनके करीबी जीवीएल नरसिंहराव ने इस पर किताब लिखी थी। बाद में जीवीएल को राज्यसभा भेजा गया था। उससे भी बहुत पहले जब बैलेट से चुनाव होता था आडवाणी और दूसरे विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया था इंदिरा गांधी ने बैलेट पर ठप्पा लगाने वाली स्याही रूस से मंगाई है, जो मिट जाती है। सो, आज राहुल गांधी कह रहे हैं कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में और मतदान प्रक्रिया में गड़बड़ कर रहा है तो यह विपक्ष के नेता का स्वाभाविक आरोप है।

ऐसे ही राहुल गांधी जब %जेन जी' यानी 13 साल से लेकर 28 साल तक के युवाओं की बात करते हैं और कहते हैं कि उनको %वोट चोरी' की असलियत का यकीन हो गया तो वे बरदाश्त नहीं करेंगे। इस पर भाजपा कह रही है कि राहुल गांधी युवाओं को नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसी तख्तापलट के लिए उकसा रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि पहले विपक्षी नेताओं ने इस तरह की बात नहीं की है या तख्तापलट की अपील नहीं की है। तमाम समाजवादी नेता आज भी राममनोहर लोहिया की इस बात को दोहराते हैं कि, %जिंदा कौमें पांच साल तक इंतजार नहीं करतीं'। यहां तो लोहिया साफ साफ लोगों को बगावत के लिए उकसाते दिख रहे हैं लेकिन उनके इस बयान को स्वाभाविक लोकतांत्रिक भावना के तौर पर देखा गया। ऐसे ही जयप्रकाश नारायण ने जब सेना और पुलिस से अपील की थी कि वे सरकार के साथ असहयोग करें तो तब की कांग्रेस सरकार ने यही कहा था कि वे सेना और पुलिस को बगावत के लिए उकसा रहे हैं। लेकिन तब से लेकर आज तक यही माना जाता है कि जेपी लोकतंत्र की रक्षा कर रहे थे। सो, अगर डॉक्टर लोहिया और जेपी गलत नहीं थे तो राहुल कैसे गलत हैं?

जहां तक विदेश जाकर सरकार के खिलाफ बोलने का सवाल है तो इसका भी लंबा इतिहास रहा है। खुद प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने विदेशी धरती पर जाकर अपने से पहले वाली सरकारों के कामकाज की खूब आलोचना की। एक बार तो वे भवावेश में यहां तक कह गए थे कि २०१४ से पहले लोगों को शर्म आती थी कि कहां से भारत में पैदा हो गए। यह बात मोदी ने विदेश में ही कही थी। उससे बहुत पहले जब संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करके इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाई थी तब सुब्रह्मण्यम स्वामी भी विदेश जाकर भारत सरकार के खिलाफ समर्थन जुटा रहे थे तो जेल में बंद जॉर्ज फर्नांडीज की पत्नी लैला कबीर भी विदेश जाकर उनकी रिहाई का आंदोलन चला रही थीं। सो, विदेश जाकर अपने देश की सरकार के कामकाज की आलोचना करना देश का अपमान नहीं होता है।

अब रही बात जन आंदोलनों का समर्थन करने की तो यह सबसे हैरान करने वाली बात है कि आंदोलनों से बनी और दशकों तक लगातार विपक्ष में रह कर आंदोलन खड़ा करने वाली भारतीय जनसंघ और भाजपा के नेता कैसे आंदोलन के समर्थन को देश विरोध बता सकते हैं? राहुल ने किसान आंदोलन का समर्थन किया या सीएए के खिलाफ हुए आंदोलन का समर्थन किया या लद्दाख के आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। ये सभी लोकतांत्रिक आंदोलन थे, जो इस देश के नागरिकों ने अपने अधिकार के लिए चलाए थे। यह सरकार का जिम्मा होता है कि वह आंदोलन करने वालों से बात करे, उनकी मांगें सुने और उसका समाधान करे। विपक्ष तो ऐसे आंदोलन का समर्थन करेगा ही। अफसोस की बात है कि खुद कांग्रेस और राहुल गांधी कोई आंदोलन खड़ा नहीं कर पा रहे हैं। विपक्ष में रहते हुए भाजपा ने और उससे पहले भारतीय जनसंघ ने अनेक आंदोलन खड़े किए। जेपी का आंदोलन भी उनमें से एक था। याद करें आजादी के बाद इस देश में कितने आंदोलन हुए। भाषा के आंदोलन, मंदिर का आंदोलन, सत्ता बदलने का आंदोलन, नए राज्यों का आंदोलन, क्या उस समय की सरकारों ने इन आंदोलनों में शामिल नेताओं व नागरिकों को देशद्रोही माना! (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र.024

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.23 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

सर्दियों में सेहत के लिए फायदेमंद है मेथी

सर्दियों में हरी सब्जियों की भरमार होती है। इनमें मेथी काफी अहम है। मेथी सिर्फ स्वाद में ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती है। मेथी को कई बीमारियों के इलाज के लिए अच्छा माना जाता है। मेथी के पत्ते हों या फिर बीज दोनों ही अलग-अलग फायदों की वजह से जाने जाते हैं। वैसे तो मेथी के दानों को आप किसी भी सीजन में खा सकते हैं लेकिन मेथी का साग सिर्फ सर्दियों के मौसम में आता है। लिहाजा इस दौरान मेथी का सेवन कितना फायदेमंद है, यहां जानें।

हार्ट को हेल्दी रखती है मेथी

मेथी हृदय को स्वस्थ बनाने में मदद करती है। इसमें पोटैशियम और सेलेनियम की अच्छी मात्रा होती है। इसलिए आप सर्दियों में जितना हो सके मेथी का सेवन करें। मेथी शरीर में बैड कलेस्ट्रॉल को कम करने में मददगार है। इसमें मौजूद लिपोप्रोटीन (एलडीएल) कलेस्ट्रॉल के स्तर कम करने में मदद करता है और आपको दिल संबंधी बीमारियों से दूर रखता है। इसके अलावा हरी मेथी में गैलेक्टोमनैन होता है, जो हेल्दी हार्ट हेल्थ के लिए अच्छा होता है। मेथी ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर रखने में मदद करती है, जिससे आर्टरी ब्लॉकेज का खतरा भी कम होता है।

डायबीटीज में फायदेमंद

डायबीटीज के रोगियों के लिए मेथी के बीज हों या मेथी की सब्जी, दोनों ही फायदेमंद है। इसके लिए आप मेथी के बीज रात को पानी में भिगोकर रखें और सुबह उसी पानी की चाय बनाकर रोजाना 1 कप पिएं। इससे आपको ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलेगी और वजन भी नियंत्रित रहेगा। इसमें मौजूद अमिनो ऐसिड इंसुलिन का उत्पादन बढ़ाने में मदद करेगा।

जोड़ों व हड्डियों के दर्द में असरदार

हरी सब्जियां कई पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं, जो हमारी कई बीमारियों से लड़ने और उन्हें काटने में मदद करती हैं। ठीक इसी तरह मेथी भी है। यह आपके जोड़ों के दर्द और हड्डियों के दर्द यानि गठिया या ऑस्टियोपोरोसिस के रोगियों के लिए फायदेमंद होती है। मेथी कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फॉस्फोरस से भरपूर होती है।

पाचन बढ़ाने में सहायक

मेथी पाचन ठीक करने में भी सहायक मानी जाती है। यह कब्ज, अपच और पेट में दर्द की समस्या को दूर करती है। रोजाना मेथी के बीज की चाय या मेथी की सब्जी का सेवन करते हैं तो आपकी पाचन प्रक्रिया दुरुस्त रहेगी और पेट भी साफ रहेगा।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रॉन्ग

आयुर्वेदाचार्य ए के मिश्र कहते हैं मेथी, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली यानी इम्यूनिटी यानी रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत करने में भी सहायक होती है। मेथी में कई विटामिन्स और मिनरल्स भी होते हैं और इसलिए भी मेथी हमारे लिए कई तरह से फायदेमंद है।

गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। कैंचींधाम के समीप गोली एक होटल में गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कैंचींधाम आश्रम के समीप बीती रात एक निजी होटल में कुछ लोग बैठे थे। इस दौरान उनके बीच एक लाईसेंसी हथियार को लेकर वार्ता चल रही थी। अचानक हथियार की खींचातानी में एक्सिडेंटल गोली चल गई। गोली, बेतालघाट निवासी टैक्सी चालक आनंद सिंह के गले में लग गई। अत्यधिक रक्त बहने से आनंद की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने जानकारी के आधार पर हथियार को एक घर से बरामद कर लिया है। बताया जा रहा है कि यह हथियार रमेश किरौला के नाम दर्ज है, जिसके बच्चों को आनंद स्कूल लाता ले जाता था। एसपी क्राइम जगदीश चंद्र ने बताया कि घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम नमूने ले रही है और घटना में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। इसके बाद शव को पोस्ट मॉर्टम के लिए भेजा जाएगा।

ग्राम प्रधान निलंबित

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। लक्सर क्षेत्र के ग्राम पंचायत अकौढ़ा खुर्द उर्फ अकौढ़ा मुकर्मतपुर, विकासखंड लक्सर की ग्राम प्रधान श्रीमती बसंती देवी को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने निलंबित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत के कश्यप बस्ती में सीसी सड़क निर्माण कार्य में घटिया सामग्री प्रयोग किए जाने की शिकायत पर सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी, हरिद्वार को जांच के निर्देश दिए गए थे। जांच के लिए आवश्यक अभिलेख दो बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद ग्राम प्रधान द्वारा उपलब्ध नहीं कराए गए। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि ग्राम प्रधान द्वारा यह आचरण उत्तराखंड पंचायतीराज अधिनियम, 2016 की धारा 133 का उल्लंघन है। अधिनियम की धारा 138(1) के तहत ग्राम प्रधान को विभागीय अंतिम जांच पूरी होने तक निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में ग्राम पंचायत के कार्य तीन निर्वाचित सदस्यों की समिति को सौंपे जाएंगे।

दो मोबाइल फोन लुटेरे गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मोबाइल लूट की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से लूटा गया मोबाइल व लूट में प्रयुक्त बाइक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना सिडकुल पर शिवम कुमार पुत्र शेर सिंह निवासी बावनपुरा जिला बिजनौर हाल पता मीनाक्षीपुरम थाना सिडकुल जनपद हरिद्वार ने तहरीर देकर बताया गया था कि बीती शाम उनसे मीनाक्षीपुरम गेट सिडकुल के पास से बाइक सवार तीन लोगों ने उनका मोबाइल फोन छीन

लिया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी गयी। मोबाइल लुटेरों की तलाश मे जुटी पुलिस टीम द्वारा एक सूचना के बाद बीती रात चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान दवा चौक पर बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। जिन्हे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से लूटा गया मोबाइल बरामद हुआ।

पूछताछ में उन्होने अपना नाम धर्मेंद्र पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम जड़ौदा पांडा थाना बड़ागांव जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश हाल निवासी डेंसो चौक रावली महदूद, सागर पुत्र विजयपाल निवासी ग्राम शिवपुरी थाना अफजलगढ़ जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल निवासी डेंसो चौक रावली महदूद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय मे पेश कर जेल भेज दिया है।

सभी आपातकालीन सेवाएं 24 घंटे एलर्ट रहेः डीएम

संवाददाता

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि दीपावल पर्व को ध्यान में रखते हुए 108 एम्बुलेंस सेवा, चिकित्सालयों के आपातकालीन वार्ड, ट्रामा और बर्न यूनिट तथा ब्लैड बैंक सहित सभी आपतकालीन सेवाऐं 24 घन्टें तत्पर रखें।

आज यहां दीपावली पर्व के दृष्टिगत में जनपद वासियों की सुरक्षा एवं सेहत के दृष्टिगत जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ एक बैठक की।

कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने दीपावली पर्व के दौरान नागरिक सुरक्षा के दृष्टिगत मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये है कि 108 एम्बुलेंस सेवा, चिकित्सालयों के आपातकालीन वार्ड, ट्रामा और बर्न यूनिट तथा ब्लैड बैंक सहित सभी आपतकालीन सेवाऐं 24 घन्टें तत्पर रखें। साथ ही दीपावली पर्व के दौरान आपातकालीन कवरेज के लिए चिकित्सालयों में पर्याप्त स्टाफ की तैनाती एवं डयूटी रोस्टर तैयार कर लिया जाय। आग, सड़क दुर्घटना या किसी अन्य दुर्घटना की स्थिति में समय पर प्रतिक्रिया के लिए अग्निशमन, पुलिस और परिवहन विभागों के साथ समन्वय स्थापित करना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये है कि जिला नियंत्रण कक्षों, 108 कमांड सेन्टर और स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच संचार चौनलों का समुचित संचालन सुनिश्चित रखा जाए।

इस दौरान जिलाधिकारी ने पटाखा बाजारों के संचालन के लिए भी संबंधितों को निर्देश दिए कि पटाखा बाजार नियमों के तहत ही लगाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि पटाखा बाजारों को निधारित स्थानों पर ही लगाया जाए। कहा कि इन बाजारों में अग्नि शमन और सुरक्षा के कड़े इंतजाम रखे जाएं। किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित कार्यवाही की जाए।

बैठक में जिलाधिकारी ने फूड सेफ्टी अधिकारी के लिए भी निर्देश जारी किए कि खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की रैंडमली जांच की जाए जिससे जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न हो सके। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नवीन चंद्र तिवारी, प्रिंसिपल राजकीय मेडिकल कॉलेज डॉ. सीपी भैंसोड़ा, उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, पुलिस उपाधीक्षक जीडी जोशी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल, अग्निशमन अधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सीटू का प्रतिनिधिमंडल डीजीएम यूजेवीएनएल से मिला

संवाददाता

देहरादून। सीटू का प्रतिनिधिमंडल ने यूजेवीएनएल के डीजीएम से मुलाकात कर श्रमिकों का बोनस व वेतन का भुगतान शीघ्र करने की मांग की।

आज यहां सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) जिला देहरादून का प्रतिनिधिमंडल दीपावली के अवसर पर संविदा /ठेकेदारों के माध्यम से कार्यरत श्रमिकों को सितंबर माह का वेतन जारी करने व बोनस का भुगतान नियमानुसार 8.33 प्रतिशत बेसिक वेतन का दिया जाने आदि कि मांग को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने प्रबंध निदेशक कि अनुपस्तिथि में डी. जी. एम. मुकेश कुमार से यूजेवीएनएल के जी. एम. एस रोड स्थित मुख्यालय में मुलाकात कि और उन्होंने सीटू प्रतिनिधिमण्डल को आश्वस्त किया कि वे बोनस का भुगतान हेतु तत्काल संबंधित अधिकारियो को आदेशित करेंगे व अक्टूबर माह का वेतन के भुगतान भी तत्काल जारी करने के निर्देश जारी किये। इस अवसर पर सीटू ने श्रमिकों कि अन्य मांगो पर भी वार्ता कि गयी जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारीयों को स्थानीय स्तर पर यूनियन से वार्ता कर समाधान करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर सीटू के जिला महामंत्री लेखराज जिला अध्यक्ष एस. एस. नेगी, उपाध्यक्ष रामसिंह भंडारी, कोषाध्यक्ष रविन्द्र कुमार नौढ़ियाल, सचिव अभिषेक भंडारी उपस्तिथ थे। इस अवसर पर इस संदर्भ में उप श्रम आयुक्त गढ़वाल परिक्षेत्र देहरादून श्रीमती मधु नेगी को भी सीटू ने ज्ञापन दिया। इस अवसर पर सीटू ने नगर निगम देहरादून के अंतर्गत कूड़ा उठान करने बाले श्रमिकों को भी बोनस का भुगतान नहीं किया गया है सनलाइट वेस्ट मैनेजमेंट के द्वारा भी श्रमिकों को बोनस नहीं दिया गया है इस कम्पनी द्वारा पिछले वर्ष का बोनस भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने उसकी शिकायत मेयर, नगर आयुक्त नगर निगम को पत्र दिया गया है जिस पर उन्होंने आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

बिरला ओपन माइंड स्कूल ने अपना वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

संवाददाता

देहरादून। बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल ने अपना वार्षिकोत्सव उत्साह व धूमधाम से मनाया।

आज यहां बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल नू अपने वार्षिकोत्सव का भव्य आयोजन उत्तसा और जोश के साथ किया। यह समारोह न केवल विद्यार्थियों का अद्भूत संगम बना, बल्कि शिक्षा जगत की अनेक विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति ने इसे और भी उत्कृष्टता प्रदान की। विद्यालय को पूरा प्रांगण रंगो, संगीत, नृत्य और उमंग से झिलमिला उठा।

समारोह में विद्यालय की कार्यकारी निदेशक श्रीमती नविता सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज का दिन हमारे विद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आयोजन हमारे विद्यार्थियों की प्रतिभाओं और क्षमताओं का प्रदर्शन है और हमें अपने छात्रों पर गर्व है जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से इस समारोह को सफल बनाया। समारोह के मुख्य अतिथि मनीष कुमार त्यागी उप सचिव एवं प्रमुख उत्कृष्टता केन्द्र सीबीएसई क्षेत्रीय कार्यालय संभाग थे। जिनका विद्यालय उपाध्यक्ष अजय कुमार ने पारंपरिक तरीके से पुष्पगुच्छ से उनका स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल ने शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने का जो प्रयास किया है वह वास्तव में सराहनीय है। ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम का प्रारम्भ प्राइमरी स्कूल के कार्यक्रम सिड्रेला से हुआ। सिड्रेला ने दर्शकों को परीकथा की दुनिया में ले जाकर मोहित कर दिया। आकर्षक परिधान, जीवंत अभिनय और सुंदर मंच सज्जा ने इस प्रस्तुति को यादगार बना दिया। बच्चों ने यह सशक्त संदेश दिया कि सच्ची सुंदरता बाहरी रूप में नहीं बल्कि मन की विनम्रता और सच्चाई में निहित होती है। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती अनीता सैनी ने मुख्य अतिथि, विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावकों का इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को एक कर्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील और सशक्त नागरिक बनाना है।

महिला की हत्या कर शव को जलाया, फेंका हाईवे किनारे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार मे आज सुबह एक महिला का हाईवे किनारे जला हुआ शव मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर जांच शुरू कर दी है। हालांकि मृतका की पहचान पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है क्योकि शव पूरा जला हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि हत्यारों ने महिला की हत्या कर उसकी पहचान छुपाने के लिए ही उसे जलाया है।

मामला श्यामपुर स्थित गाजीवाली क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार आज सुबह राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी कि यहां हाईवे किनारे एक महिला का पूर्ण रूप से जला हुआ शव पड़ा हुआ है।

सूचना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया। आंशका जताई जा रही है है कि हत्यारों ने महिला के शव की पहचान छिपाने के उद्देश्य से उसे हाईवे किनारे फेंक कर जला दिया है। जिसके कारण महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव मिलने से इलाके में दहशत फैल गई है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही एसपी सिटी पंकज गैरोला सहित तमाम आला अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए।

मामले की जांच में जुटी श्यामपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती मृतका की पहचान करना है, क्योंकि शव को बुरी तरह से जलाया गया है। पुलिस आस-पास के थानों और जिलों से भी संपर्क साधकर गुमशुदगी के मामलों की जानकारी जुटा रही है। एसपी सिटी ने बताया कि अभी शव की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। शव पूरी तरह जल चुका है।

पुलिस ने अज्ञात हत्यारों के खिलाफ हत्या और सबूत मिटाने की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस जल्द ही इस हत्याकांड का खुलासा करने का दावा भी कर रही है। घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ सूचना तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया है।

गहने व दस्तावेजों सहित बैग बरामद कर विदेशी महिला को लौटाया

हमारे संवाददाता

पौड़ी। योग क्लासेस के लिए आयी एक विदेशी महिला का कीमती गहनों व दस्तावेजो से भरा बैग खो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए बैग बरामद कर महिला के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी।

जानकारी के अनुसार बीते रोज इटली निवासी विदेशी महिला द्वारा चौकी रामझूला पर ड्यूटीरत्त पुलिस को सूचना दी कि वह लक्ष्मणझूला क्षेत्र में योगा क्लासेस के लिए आई हुई हैं। इस दौरान स्वर्गाश्रम क्षेत्र में उनका एक अत्यंत कीमती सामान से भरा बैग कहीं खो गया। जिसमें मेरा कीमती सामान 2000 यूरो कीमत की तीन गोल्ड रिंग एवं एक ब्रेसलेट, 300 यूरो नगद धनराशि सहित अन्य चीजें मौजूद थी।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल तत्परता दिखाते हुए बैग की खोजबीन शुरू कर दी गयी। पुलिस के अथक प्रयासों से उक्त विदेशी महिला का सम्पूर्ण सामान बरामद कर सुरक्षित रूप से उन्हें सुपुर्द किया गया। अपना कीमती सामान वापस पाकर विदेशी महिला भावुक हो उठीं और उन्होंने पुलिस टीम का खुले दिल से सम्मान और प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने उत्तराखंड पुलिस एवं पौड़ी पुलिस का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया।

गरीबरथ एक्सप्रेस में लगी आग, महिला झुलसी

हमारे संवादाता

चंडीगढ़। फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास आज सुबह चलती ट्रेन में आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। घटना में एक महिला यात्री झुलस गई है जिसे उपचार हेतू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं सूचना मिलने पर दमकल विभाग ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार अमृतसर-सहरसा गरीब रथ (बिहार जाने वाली) ट्रेन में आज सुबह अचानक आग लग गई। ट्रेन के 2-3 एसी डिब्बों में आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से एक महिला यात्री झुलस गई। उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया है। चलती ट्रेन में आग की घटना फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास हुई है। आग लगने की सूचना मिलते ही नगर कौंसिल सरहिंद के दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि यह आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी।

एक्शन में जिलाधिकारी, एक और कार्मिक सस्पैंड

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने उप जिलाधिकारी हरिद्वार द्वारा प्रेषित आख्या में उल्लिखित तथ्यों के आधार पर शासकीय कार्यों में लापरवाही, उदासीनता, नकारात्मक दृष्टिकोण रखने और तहसीलदार हरिद्वार द्वारा जारी स्पष्टीकरण का कोई उत्तर न दिये जाने के दृष्टिगत रखते हुये महेश कुमार सोनी, सहा. वा.वा.न./वरिष्ठ सहायक तहसील हरिद्वार के खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही करते हुये, तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। निलम्बन अवधि के दौरान महेश कुमार सोनी को कलक्ट्रेट हरिद्वार के संग्रह अनुभाग में सम्बद्ध किया गया है।

निलम्बन की अवधि में महेश कुमार सोनी को वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-2 से 4 के मूल नियम-53 के प्राविधानों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि अर्द्ध वेतन पर देय अवकाश वेतन की राशि के बराबर होगी तथा उन्हे जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि पर मंहगाई भत्ता यदि ऐसे अवकाश वेतन पर देय हैं, भी अनुमन्य होगा। किन्तु ऐसे कार्मिक को जीवन निर्वाह के साथ कोई मंहगाई भत्ता देय नही होगा। जिन्हे निलम्बन से पूर्व प्राप्त वेतन के साथ मंहगाई भत्ते का उपातिक समयायोजन प्राप्त नही था।

निलम्बन के दिनांक को प्राप्त वेतन के आधार पर अन्य प्रतिकर भत्ते भी निलम्बन की अवधि में इस शर्त पर देय होगें, जब इसका समाधान हो जाये कि उनके द्वारा इस मद में व्यय वास्तव में किया जा रहा है, जिसके लिये उक्त प्रतिकर भत्ते अनुमन्य होगा। उल्लिखित मदों का भुगतान तभी किया जायेगा, जब महेश कुमार सोनी, वरिष्ठ सहायक कलक्ट्रेट हरिद्वार इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें कि वह किसी अन्य सेवायोजन, व्यापार, वृत्ति, व्यवसाय में नही लगे है।

पुलिस मुठभेड़ में 1 लाख का इनामी बदमाश ढेर

हमारे संवाददाता

शामली। मुठभेड़ में देर रात एक लाख के ईनामी बदमाश को पुलिस ने ढेर कर दिया है। आरोपी पर हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी व नकली करैंसी सहित कई संगीन मुकदमें दर्ज थे। हालांकि मुठभेड़ के दौरान उसके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस को मौके पर एक बाइक, तमंचा व कारतूस भी बरामद हुए है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात पुलिस ने एक लाख के इनामी बदमाश नफीस उर्फ मुर्दा को मुठभेड़ में मार गिराया है। नफीस पर तीन दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज थे। मुठभेड़ कांधला क्षेत्र के गांव भभीसा के जंगलों में हुई।

बताया जा रहा है कि पुलिस को देर रात सूचना मिली कि क्षेत्र में एक लाख का ईनामी बदमाश नफीस उर्फ मुर्दा आया हुआ है तथा वह किसी बड़ी वारदात की फिराक में है। सूचना पर पुलिस ने चैकिंग अभियान शुरू किया तो इस दौरान नफीस ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया, जिसके बाद में जबाबी फायरिंग में उसे गोली लगी, उसे इलाज के लिए अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। मुठभेड़ की सूचना पर जिले के आलाधिकारी और फोरेंसिक एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की।

हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी व नकली करैंसी सहित कई संगीन मुकदमें थे दर्ज

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नफीस उर्फ मुर्दा कांधला कस्बे के मोहल्ला खेल का रहने वाला था। जिसके खिलाफ जनपद शामली में करीब 3 दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। इनमें हत्या, लूट, डकैती, नकली करेंसी और रंगदारी जैसे गंभीर अपराध शामिल थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।